RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

GEOGRAPHY



भारत में वन्य जीव संरक्षण

Part -2

LIVE STREAMING 03-06-2024 12PM

स्व स्थाने संरक्षण
In-Situ Conservation

1. राष्ट्रीय उद्यान (National Parks)
2. वन्य जीव अभयारण्य (wildlife Sanctuary)
3. जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserves)

जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र

(Biosphere reserves)

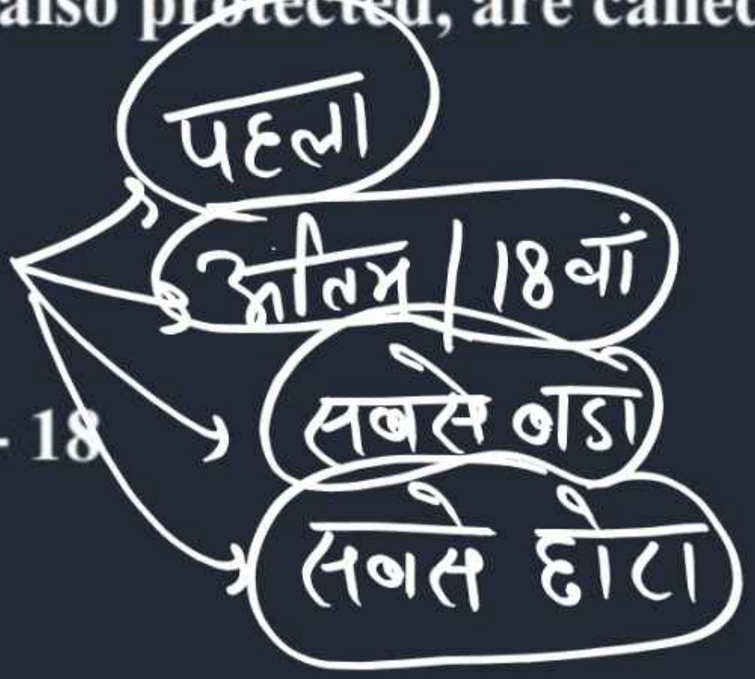


ऐसे क्षेत्र जहां वन्य जीवन , जन्तु संसाधनों के साथ- 2 आदिवासियों के पारंपरिक ढंग का भी संरक्षण किया जाता है, जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र कहलाते है।

Areas where wildlife , animal resources along with the traditional way of tribals are also protected, are called biosphere reserve areas.

वर्तमान संख्या - 18

Current Number - 18



→ तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल

पहला - नीलगिरि (1986)

First - Nilgiri (1986)

→ M.P

अंतिम - पन्ना (2011)

The Last - panna (2011)

सबसे बड़ा जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र → रन ऑफ कच्छ (गुजरात)

Largest biosphere reserve- Rann of Kutchh(Gujrat)

Smallest Biosphere Reserve-Dibru-saikhowa (assam)

सबसे छोटा जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र → डिब्रू-सैखोवा (असम)

भारत के जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र

Biosphere Reserves of India

नाम		राज्य
name		state
(1) कोल्ड डेजर्ट	-	हिमाचल प्रदेश
(1) Cold Desert		Himachal Pradesh



(2) नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान एवं बायोस्फीयर रिजर्व - उत्तराखण्ड

(2) Nanda Devi National Park - Uttarakhand

and Biosphere Reserve

(3) कच्छ का रण गुजरात

(3) Rann of Kutch Gujarat

(largest) (सबसे बड़ा B.R)



(4) पन्ना राष्ट्रीय उद्यान — मध्यप्रदेश

(4) Panna National Park — Madhya Pradesh

(5) पंचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व - मध्यप्रदेश

(5) Panchmarhi Biosphere Reserve – Madhya Pradesh



(6) अचानकमार - अमरकंटक बायोस्फीयर रिजर्व - मध्यप्रदेश + छत्तीसगढ़

(6) Achanakmar - Amarkantak Biosphere Reserve - Madhya Pradesh + chhatisgarh



(7) सिमलीपाल - उड़ीसा

(7) Simlipal - Orissa

(8) सुंदरबन – पंश्चिम बंगाल

(8) Sundarbans – West Bengal

(9) दिहांग - दिबांग - अरुणाचल प्रदेश

(9) Dihang - Dibang –

Arunachal Pradesh



(10) मानस - असम

(10) Manas - Assam

सबसे छोटा B.R (smallest)

(11) डिब्रू सैखोवा – असम

(11) Dibru Saikhowa – Assam

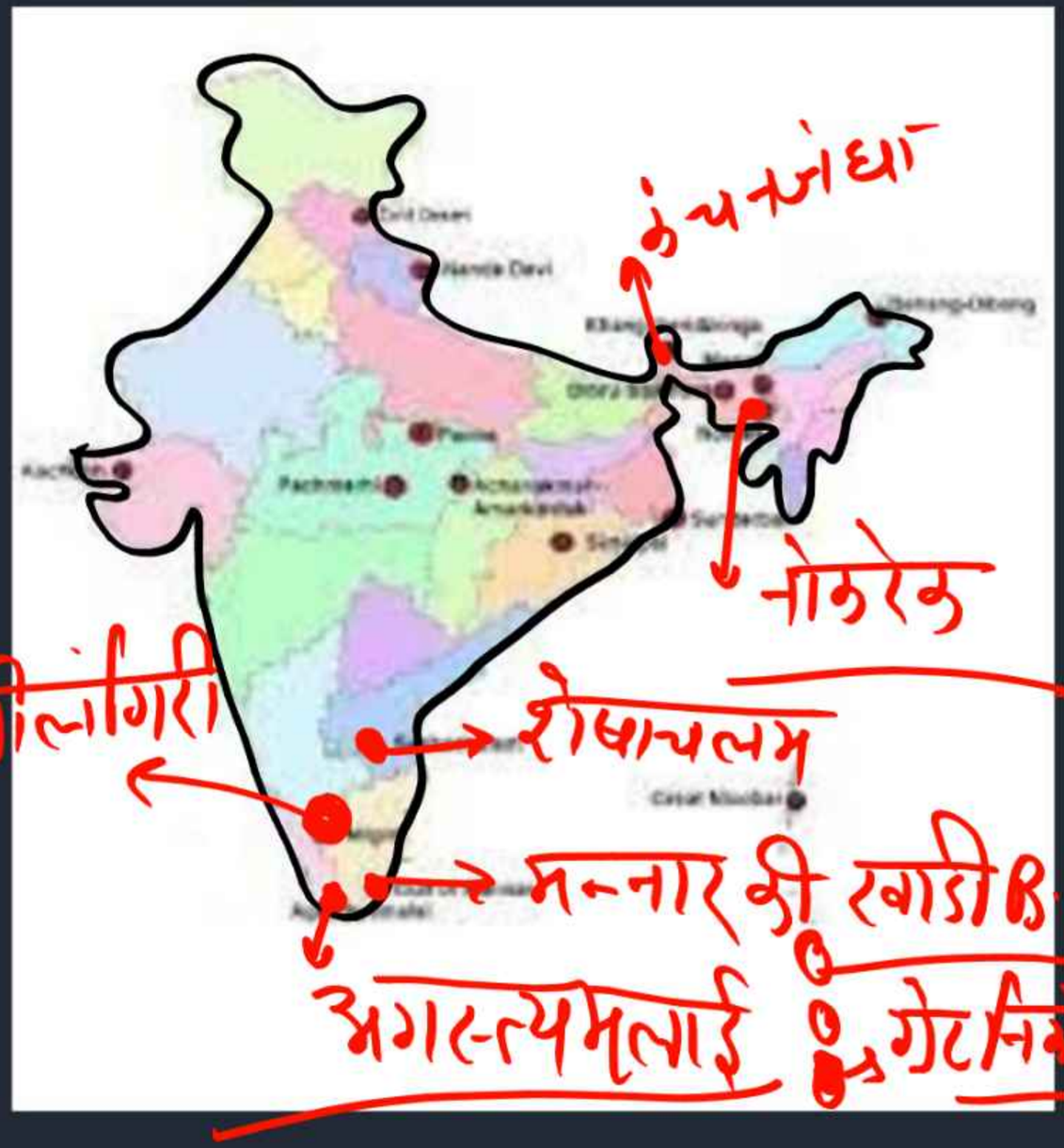


(12) कंचनजंगा – सिक्किम

(12) Kanchenjungha – Sikkim

(13) नोकरेक – मेघालय

(13) Nokrek – Meghalaya



(14) शेषचलम पहाड़िया - आंध्र प्रदेश

(14) Seshachalam Hills - Andhra Pradesh

(15) मन्नार की खाड़ी - तमिलनाडू

(15) Gulf of Mannar - Tamil Nadu



(16) अगस्त्यमलाई वायोस्फीयर रिजर्व = तमिलनाडू + केरल

(16) Agasthyamalai Biosphere Reserve = Tamil Nadu + Kerala

(17) नीलगिरी संरक्षित जैविक क्षेत्र - तमिलनाडु + केरल + कर्नाटक

(17) Nilgiris Protected Biological Area - Tamil Nadu + Kerala + Karnataka

-पहला जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र।

-First biosphere reserve.

1986 ई०



(18) ग्रेट निकोबार जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

(18) Great Nicobar Biosphere Reserve - Andaman and Nicobar Islands





Topic completed

Next topic → भारत के खनिज
The Minerals of India

खनिज (Minerals)

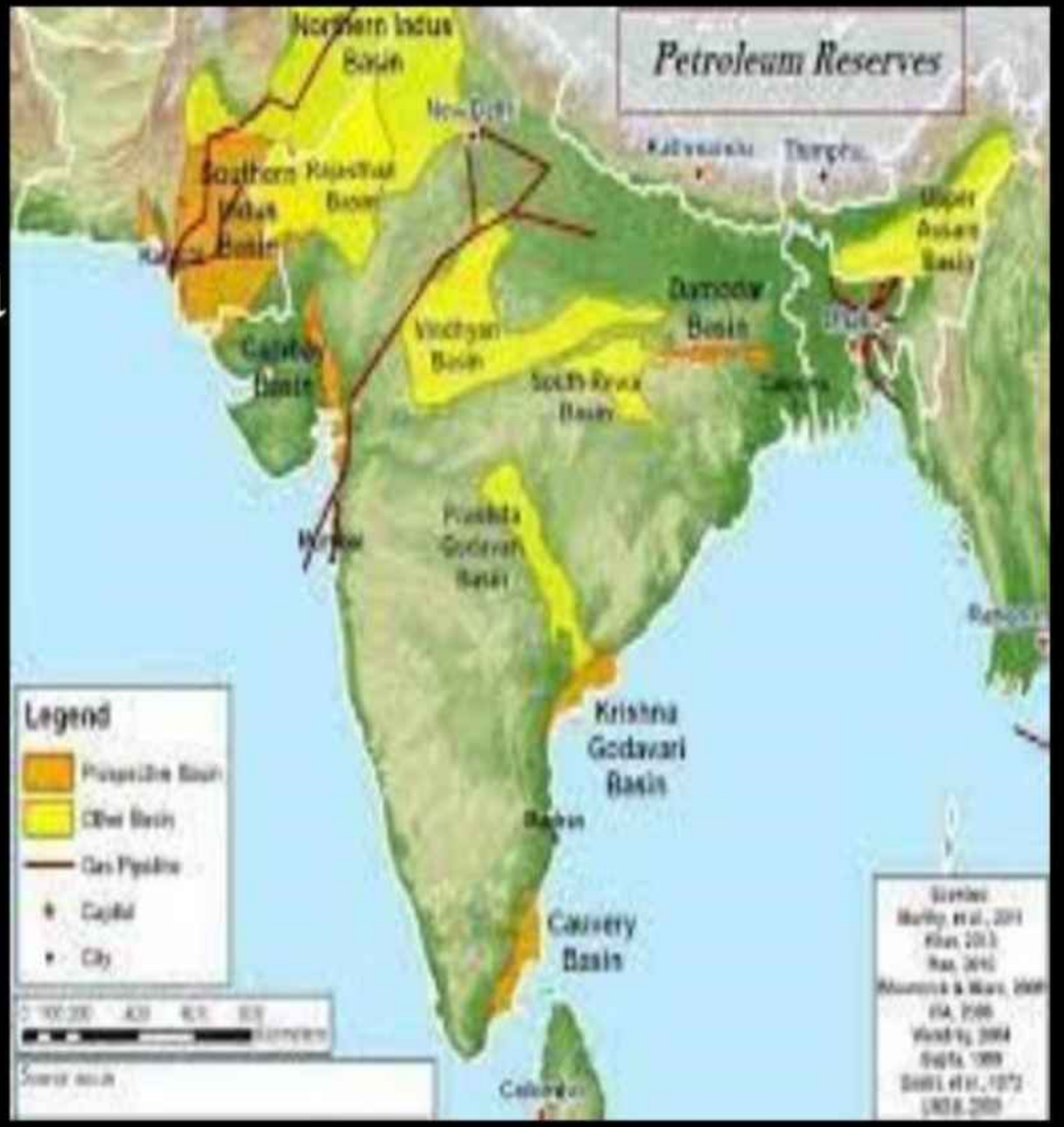
खनि + ज

खानों से निकाला गया

भारत के खनिज

Minerals of India





- खनि + ज = खानों से निकला हुआ अर्थात पृथ्वी के भूगर्भ से निकाला गया पदार्थ जिसका एक निश्चित रासायनिक संगठन हो, जिसे मानव न बना सके खनिज कहलाता है।

khani + J = extracted from the mines, that is, the substance extracted from the earth's soil, which has a certain chemical composition, which cannot be made by humans, is called a mineral.)

खनिजों के प्रकार
(The types of Minerals)

- धात्विक खनिज (Mettalic Minerals)
  - लौह खनिज (Iron Minerals)
  - अलौह-खनिज (Non-Iron Minerals)
- अधात्विक खनिज (Non-Mettalic Minerals)
- ऊर्जा खनिज (Energy Minerals)

- खनिजो को उपलब्धता के आधार पर तीन भागो में बांटा जा सकता है-

(Minerals can be divided into three parts on the basis of availability-)

(1) धात्विक (2) अधात्विक (3) उर्जा खनिज

(1) Metallic (2) Non-metallic (3) Energy minerals







- धात्विक खनिज:- वे खनिज जिनमें धातु अंशो की प्रधानता पाई जाती है। इन्हे धात्विक खनिज कहा जाता है। खानो से निकाले जाने के बाद इनकी अशुद्धियों को दूर करने के लिए इनका परिष्करण करना आवश्यक होता है। ये आग्नेय चट्टानो में पाए जाते है। ये खनिज ताप व विद्युत के सुचालक होते है. इन्हें दो भागो में बांटा जा सकता है-



Metallic Minerals:- Those minerals in which the predominance of metal parts is found. These are called metallic minerals. After being extracted from the mines, it is necessary to refine them to remove their impurities. These are found in igneous rocks. These minerals are good conductors of heat and electricity. These can be divided into two parts-

(1) लौह खनिज :- वे खनिज जिनमे लौहे का अंश पाया जाता है, लौह खनिज कहलाते है। जैसे- लौह अयस्क, टंगस्टन, मैगनीज, निकेल, कोबाल्ट आदि।

(1) Iron Minerals: - Those minerals in which the fraction of iron is found, are called iron minerals. For example, iron ore, tungsten, manganese, nickel, cobalt etc.







(2) अलौह खनिज :- वे खनिज जिनमें लौहे के अंश का अभाव होता है, अलौह खनिज कहलाते है। जैसे- सीसा, जस्ता, सोना, चांदी, प्लेटिनम आदि ।

(2) Non-ferrous minerals:- Those minerals which lack of iron content is found, are called non-ferrous minerals. Like- lead, zinc, gold, silver, platinum etc.







- अधात्विक खनिज :- जिन खनिजो में धातु के अंश नही पाए जाते है उन्हे अधात्विक खनिज कहा जाता है।

Non-metallic Minerals:- The minerals which do not contain metallic elements are called non-metallic minerals.



- ये ताप व विद्युत के कुचालक होते है।

They are bad conductors of heat and electricity.

- ये परतदार चट्टानो मे पाए जाते है।

They are found in layered rocks.

- इनमे अशुद्धियां कम पाई जाती है इसलिए इनका परिष्करण करने की आवश्यकता नही पड़ती है।

Impurities are less in these, so there is no need to refine them.

जैसे- जिप्सम, हीरा, नमक, [redacted] ,अभ्रक, चूना पत्थर आदि ।

Like- gypsum, diamond, salt, [redacted], mica, limestone etc.

उर्जा खनिज

Energy Minerals:-









- वे खनिज जिनसे उर्जा की प्राप्ति होती है, उर्जा खनिज कहलाते है। इन्हे उपयोग व उपलब्धता के आधार पर दो उपभागो में विभाजित किया जा सकता है -

Energy Minerals: Those minerals from which energy is obtained are called energy minerals. These can be divided into two sub-parts on the basis of usage and availability-